utilises some of their facilities for components and sub-assemblies. Some of these units have made worthwhile contribution in this respect. Considering the nature of the work undertaken, it is not possible to indicate the amount of foreign exchange saved.

Sikh Educational Conference

*1006. SHRI BHOGENDRA JHA:

PROF. NARAIN CHAND PARASHAR:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Sikh Educational Conference had held its session at Chandigarh on 17th and 18th March, 1981, presided over by one having roaring business in the U.S.A.

(b) if so, the details thereabout;

(c) whether the Conference had been held under the auspices of the Chief Khalsa Dewan;

(d) whether the Conference adopted a resolution demanding independent Khlistan and associate membership for it at the U.N.O.; and

(e) if so, Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI YOGENDRA MAKWANA): (a) Yes, Sir.

(b) to (d). 54th All India Sikh Educational Conference was held at Chandigarh. A resolution was passed for seeking associate membership of United Nations for the Sikhs, Subsequently, however, the Chief Khalsa Dewan who was authorised by the 54th All India Sikh Educational Conference to approach the United Nations for associate membership have after re-consideration decided to dissociate themselves with the resolution.

(e) The Government of Punjab have stated that action would be taken according to law.

पिपरा घटना के शिकार लोगों को राहत दिया जाना

1007. श्री राम विलास पासवान : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने यह आश्वासन दिया था कि उन लोगों के परिवारों के लिए सरकारी अनुदान से पक्के घर बनाये जायेंगे ; जो पिपरा घटना के शिकार हुए हैं और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियां दी जायेंगी तथा जल्दी ही इस क्षेत्र में पक्की सड़क बनाई जाएगी और पिपरा घटना के शिकार हरिजन परिवारों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस सम्बन्ध में अब तक क्या कदम उठाए हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री योगेन्द्र मकवाणा) : (क) और (ख). बिहार राज्य सरकार द्वारा भेजी गई सूचना के अनुसार पीड़ित व्यक्तियों के परिवारों के लिए 35 पक्के मकानों का निर्माण शुरू किया गया था और दीवारों का निर्माण कार्य पूरा हो गया है । छत डालने का कार्य चल रहा है । राज्य सरकार ने यह भी सूचित किया है कि पिपरा के लिए अलग से एक सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है और मिट्टी का काम पूरा कर दिया गया है । स्थानीय रोजगार कार्यालय को यह निदेश दिये गये हैं कि रोजगार के सम्बन्ध में पीड़ित व्यक्तियों के आश्रितों को प्राथमिकता दी जाए । पिपरा घटना के पीड़ित व्यक्तियों के परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में 40,385 रु० की राशि वितरित की गई ।